मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाई विवेकानन्द जयन्ती

एनएसएस के सहयोग से मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय जनमानस में खासकर के युवाओं में हिन्दुत्व और ऊर्जा का स्त्रोत भरा वह अविस्मरणीय है। वह एक प्रतिभाशाली आध्यात्मिक प्रकाा पुंज थे। उनके गुरू रामकृष्ण परमहंस का उन पर वरदहस्त था। यही कारण रहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत की बिखरी हुई जनता में आत्मविश्वास के वो पुंज प्रकाशित कर पाये जिसने युगों-युगों तक विश्वगुरू बनने की धारा में प्रगतिमान कर दिया। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कही। कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व विचार रखते हुए कहा कि राजस्थान के महाराजा सुझाये गये विवेकानन्द नाम से न केवल उनका व्यक्तित्व निखरा बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र में फैल गया। पुर्नजागरण काल के उत्थान में स्वामी विवेकानन्द की भूमिका महनीय है। अन्त्योदय की अवधारणा स्वामी विवेकानन्द ने ही दी था जिसे महात्मा गांधी ने भी आत्मसात किया। वह साइक्लोनिक ऊर्जा के केन्द्र थे भारत आयरलैण्ड के मध्य मधुर रिश्ते स्वामी विवेकानन्द की ही देन है प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर विचार रखते हुए कहा कि विवेकानन्द के अनुसार उत्कर्षकारी विचारों को जनता तक पहुंचाना चाहिए। विवेकानन्द ने भारत की एकता, स्वतन्त्रता तथा विवगुरू बनने के सूत्र प्रतिपादित किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों हिमांशु कुमार, नन्दलाल ने कविता पाठ विपुल कुमार धीमान और साहिल ने भाषण, कल्पना और आकृति ने अपनी टीम के साथ ग्रुप डान्स प्रस्तुत किए। राकेश झंवर ने सभी प्रतिभागियों को पांच मिनट के लिये ध्यान कराया। बप्पा बर्मन ने प्राणायाम आसन प्रस्तुत किए। निशु ने अपनी टीम के साथ सड़क सुरक्षा पर नाट्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थी मुस्कान और मिताली ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डिप्टी डीन इंजीनियरिंग कपिल नाहर ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. आर राजा, ओएसडी एच. विधानी, उपकुलसचिव दीप्ती शास्त्री, डायरेक्टर एकेडमिक्स डी.के. शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानन्द ने किया भारत को युगों-युगों तक विश्वगुरू बनने की धारा में प्रगतिमान : डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

चित्तौड़गढ़, 12 जनवरी (कासं.)। स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय जनमानस में खासकर युवाओं में हिन्दुत्व और ऊर्जा का स्त्रोत भरा वह अविस्मरणीय है। वह एक प्रतिभाशाली आध्यात्मिक प्रकाश पुंज थे। उनके गुरू रामकृष्ण परमहंस का उन पर वरदहस्त था। यही कारण रहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत की बिखरी हुई जनता में आत्मविश्वास के वह पुंज प्रकाशित कर पाये जिसने युगों-युगों तक विश्वगुरू बनने की धारा में प्रगतिमान कर दिया।

यह बात मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कही। इस मौके पर कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व विचार रखते हुए कहा कि राजस्थान के महाराजा सुझाये गये विवेकानन्द

नाम से न केवल उनका व्यक्तित्व निखरा बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र में फैल गया। पुर्नजागरण काल के उत्थान में स्वामी विवेकानन्द की भूमिका महनीय है। अन्त्योदय की अवधारणा स्वामी विवेकानन्द ने ही दी थी, जिसे महात्मा गांधी ने भी आत्मसात किया। वह साइक्लोनिक ऊर्जा के केन्द्र थे भारत आयरलैण्ड के मध्य मधुर रिश्ते स्वामी विवेकानन्द की ही देन है। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर विचार रखते हुए कहा कि विवेकानन्द के अनुसार उत्कर्षकारी विचारों को जनता तक पहुंचाना चाहिए। विवेकानन्द ने भारत की एकता, स्वतन्त्रता तथा विष्वगुरू बनने के सूत्र प्रतिपादित किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों हिमांशु कुमार, नन्दलाल ने कविता पाठ , विपुल कुमार धीमान और साहिल ने भाषण, कल्पना और आकृति ने अपनी टीम के साथ ग्रुप डान्स प्रस्तुत किए। राकेश झंवर ने सभी प्रतिभागियों को पांच मिनट के लिये ध्यान व बप्पा बर्मन ने प्राणायाम आसन प्रस्तुत किए। इस दौरान निशु ने अपनी टीम के साथ सड़क सुरक्षा पर नाट्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थी मुस्कान और मिताली ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डिप्टी डीन इंजीनियरिंग कपिल नाहर ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. आर राजा, ओएसडी एच. विधानी, उपकुलसचिव दीसी शास्त्री, डायरेक्टर एकेडमिक्स डी.के. शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कन्या महाविद्यालय में मनाया युवा दिवस

चित्तौड़गढ़। राजकीय कन्या महाविद्यालय में गुरुवार को स्वामी विवेकानंद जयंती डॉ. ममता शर्मा की अध्यक्षता, राज्यमंत्री सुरेन्द्रसिंह जाड़ावत के मुख्य आतिथ्य, सभापति संदीप शर्मा, पंचायत समिति सदस्य अंजु कुंवर चुंडावत के विशिष्ट आतिथ्य में युवा दिवस के रूप में मनाई गई।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. ममता शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रजवलित कर एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पण कर की गई। कार्यक्रम में राज्यमंत्री सुरेन्द्रसिंह जाड़ावत ने अपने उद्बोधन में छात्रा कल्याण और महिला उत्थान के संबंध में अपने विचार प्रकट किए। नगर परिषद सभापति संदीप शर्मा ने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. उदय सिंह ने एवं प्राचार्य द्वारा अध्यक्षीय भाषण दिया गया। इसके साथ ही महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में जिला पुलिस के सौजन्य से छात्राओं को आत्मरक्षा हेतु प्रशिक्षण दिया गया। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. शशि शर्मा ने

राज्य महिला नीति के बारे में छात्राओं को अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने महाविद्यालय में सोलर पैनल लगाने की घोषणा की व सभापति संदीप शर्मा ने महाविद्यालय परिसर एवं उद्यान के रखरखाव की जिम्मेदारी लेने की घोषणा की। कार्यक्रम के अंत में प्रतीक चिन्ह भेंट कर अतिथियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सी एल महावर, डॉ.ज्योति कुमारी, प्रो. रेखा मेहता, प्रो.वर्षा सिखवाल, प्रो. जयश्री कुदाल, प्रो. रिंकी गुप्ता, प्रो. शंकर मीणा सहित समस्त संकाय सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रही। कार्यक्रम के पश्चात अतिथियों ने पक्षियों के छायाचित्रों एवं मंडला आर्ट की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए सराहना की।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाई विवेकानन्द जयन्ती

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय जनमानस में खासकर के युवाओं में हिन्दुत्व और ऊर्जा का स्त्रोत भरा वह अविस्मरणीय है। वह एक प्रतिभाशाली आध्यात्मिक प्रकाा पुंज थे। उनके गुरू रामकृष्ण परमहंस का उन पर वरदहस्त था। यही कारण रहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत की बिखरी हुई जनता में आत्मविश्वास के वो पुंज प्रकाशित कर पाये जिसने युगों-युगों तक विश्वगुरू बनने की धारा में प्रगतिमान कर दिया। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कही। कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व विचार रखते हुए कहा कि राजस्थान के महाराजा सुझाये गये विवेकानन्द नाम से न केवल उनका व्यक्तित्व निखरा बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र में फैल गया। पुर्नजागरण काल के उत्थान में स्वामी विवेकानन्द की भूमिका महनीय है। अन्त्योदय की अवधारणा स्वामी विवेकानन्द ने ही दी था जिसे महात्मा गांधी ने भी आत्मसात किया। वह साइक्लोनिक ऊर्जा के केन्द्र थे भारत आयरलैण्ड के मध्य मधुर रिश्ते स्वामी विवेकानन्द की ही देन है प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर विचार रखते हुए कहा कि विवेकानन्द के अनुसार उत्कर्षकारी विचारों को जनता तक पहुंचाना चाहिए। विवेकानन्द ने भारत की एकता, स्वतन्त्रता तथा विवगुरू बनने के सूत्र प्रतिपादित किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों हिमांशु कुमार, नन्दलाल ने कविता पाठ विपुल कुमार धीमान और साहिल ने भाषण, कल्पना और आकृति ने अपनी टीम के साथ ग्रुप डान्स प्रस्तुत किए। राकेश झंवर ने सभी प्रतिभागियों को पांच मिनट के लिये ध्यान कराया। बप्पा बर्मन ने प्राणायाम आसन प्रस्तुत किए। निशु ने अपनी टीम के साथ सड़क सुरक्षा पर नाट्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थी मुस्कान और मिताली ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डिप्टी डीन इंजीनियरिंग कपिल नाहर ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. आर राजा, ओएसडी एच. विधानी, उपकुलसचिव दीप्ती शास्त्री, डायरेक्टर एकेडमिक्स डी.के. शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानन्द ने किया भारत को युगों-युगों तक विश्वगुरू बनने की धारा में प्रगतिमान : डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

चित्तौड़गढ़, 12 जनवरी (कासं.)। स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय जनमानस में खासकर युवाओं में हिन्दुत्व और ऊर्जा का स्त्रोत भरा वह अविस्मरणीय है। वह एक प्रतिभाशाली आध्यात्मिक प्रकाश पुंज थे। उनके गुरू रामकृष्ण परमहंस का उन पर वरदहस्त था। यही कारण रहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत की बिखरी हुई जनता में आत्मविश्वास के वह पुंज प्रकाशित कर पाये जिसने युगों-युगों तक विश्वगुरू बनने की धारा में प्रगतिमान कर दिया।

यह बात मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कही। इस मौके पर कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व विचार रखते हुए कहा कि राजस्थान के महाराजा सुझाये गये विवेकानन्द

नाम से न केवल उनका व्यक्तित्व निखरा बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र में फैल गया। पुर्नजागरण काल के उत्थान में स्वामी विवेकानन्द की भूमिका महनीय है। अन्त्योदय की अवधारणा स्वामी विवेकानन्द ने ही दी थी, जिसे महात्मा गांधी ने भी आत्मसात किया। वह साइक्लोनिक ऊर्जा के केन्द्र थे भारत आयरलैण्ड के मध्य मधुर रिश्ते स्वामी विवेकानन्द की ही देन है। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर विचार रखते हुए कहा कि विवेकानन्द के अनुसार उत्कर्षकारी विचारों को जनता तक पहुंचाना चाहिए। विवेकानन्द ने भारत की एकता, स्वतन्त्रता तथा विष्वगुरू बनने के सूत्र प्रतिपादित किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों हिमांशु कुमार, नन्दलाल ने कविता पाठ , विपुल कुमार धीमान और साहिल ने भाषण, कल्पना और आकृति ने अपनी टीम के साथ ग्रुप डान्स प्रस्तुत किए। राकेश झंवर ने सभी प्रतिभागियों को पांच मिनट के लिये ध्यान व बप्पा बर्मन ने प्राणायाम आसन प्रस्तुत किए। इस दौरान निशु ने अपनी टीम के साथ सड़क सुरक्षा पर नाट्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थी मुस्कान और मिताली ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डिप्टी डीन इंजीनियरिंग कपिल नाहर ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. आर राजा, ओएसडी एच. विधानी, उपकुलसचिव दीसी शास्त्री, डायरेक्टर एकेडमिक्स डी.के. शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कन्या महाविद्यालय में मनाया युवा दिवस

चित्तौड़गढ़। राजकीय कन्या महाविद्यालय में गुरुवार को स्वामी विवेकानंद जयंती डॉ. ममता शर्मा की अध्यक्षता, राज्यमंत्री सुरेन्द्रसिंह जाड़ावत के मुख्य आतिथ्य, सभापति संदीप शर्मा, पंचायत समिति सदस्य अंजु कुंवर चुंडावत के विशिष्ट आतिथ्य में युवा दिवस के रूप में मनाई गई।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. ममता शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रजवलित कर एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पण कर की गई। कार्यक्रम में राज्यमंत्री सुरेन्द्रसिंह जाड़ावत ने अपने उद्बोधन में छात्रा कल्याण और महिला उत्थान के संबंध में अपने विचार प्रकट किए। नगर परिषद सभापति संदीप शर्मा ने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. उदय सिंह ने एवं प्राचार्य द्वारा अध्यक्षीय भाषण दिया गया। इसके साथ ही महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में जिला पुलिस के सौजन्य से छात्राओं को आत्मरक्षा हेतु प्रशिक्षण दिया गया। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. शशि शर्मा ने

राज्य महिला नीति के बारे में छात्राओं को अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने महाविद्यालय में सोलर पैनल लगाने की घोषणा की व सभापति संदीप शर्मा ने महाविद्यालय परिसर एवं उद्यान के रखरखाव की जिम्मेदारी लेने की घोषणा की। कार्यक्रम के अंत में प्रतीक चिन्ह भेंट कर अतिथियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सी एल महावर, डॉ.ज्योति कुमारी, प्रो. रेखा मेहता, प्रो.वर्षा सिखवाल, प्रो. जयश्री कुदाल, प्रो. रिंकी गुप्ता, प्रो. शंकर मीणा सहित समस्त संकाय सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रही। कार्यक्रम के पश्चात अतिथियों ने पक्षियों के छायाचित्रों एवं मंडला आर्ट की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए सराहना की।